



GOLDEN HILLS

GREATEST PLACE TO HEAL AND CALM



About Us

AG INFRATECH – Premium Real Estate Developer

AG INFRATECH is a leading real estate developer in India, established in 2005, with a strong reputation for quality, innovation, and customer satisfaction. Specializing in residential (luxury apartments, villas) and commercial (office spaces, retail complexes) projects, the company has delivered 50+ projects across 15+ cities, serving 10,000+ customers.

Key Highlights:

- Mission: Sustainable, customer-centric spaces enhancing quality of life.
- Services: End-to-end solutions including property investment, management, legal assistance, and financial aid.
- Differentiators: Timely delivery, eco-friendly practices, innovative designs, and award-winning excellence (25+ awards)





Know about GOLDEN HILLS

Imagine a special place far away from the noisy city, called Golden Hills. It's in a quiet part of Rajasthan, surrounded by pretty mountains and lots of green trees.

At Golden Hills, you can have your very own farmhouse. It's like a cozy home where you can relax and have fun. It has old-style charm but also comfy new things.

This place is perfect for:

- **Weekend fun:** You can go there on holidays and weekends to play and relax.
- **Growing your own food:** You can plant fruits and vegetables, just like a farmer!
- **Building your dream house:** You can make a beautiful home exactly how you want it.

Golden Hills is a gated community, which means it's a safe and private place where everyone knows each other. It's like a peaceful village where you can escape the busy city and enjoy nature!

Project

Key Highlights

Scenic & Serene Environment:

- Breathtaking views of the Aravalli ranges and expansive green spaces.
- Tranquil ambiance perfect for relaxation and rejuvenation.

Strategic Location:

- Situated in Kotputli-Banethi, Rajasthan, with easy access to NH-48 (Delhi-Jaipur Highway) Old NH-8.
- Proximity to Neemrana's industrial zone and upcoming developments in the Delhi-Mumbai Industrial Corridor (DMIC) .

Approved & Secure:

- Legally approved plots with clear titles, ensuring a hassle-free investment 8.
- Gated community with 24/7 security for safety and privacy.





Project

Key Highlights

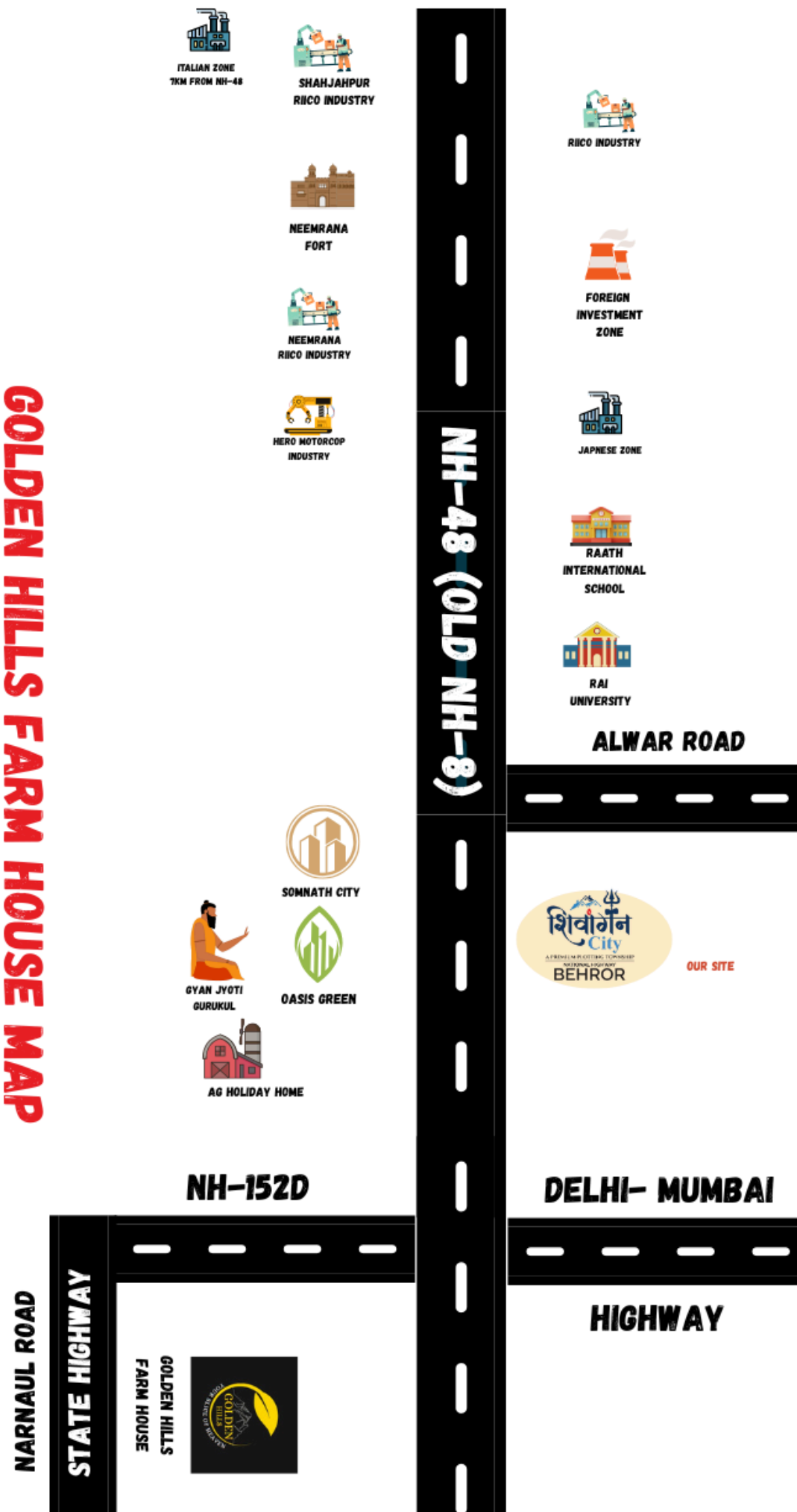
Lifestyle Amenities:

- Farmhouse-friendly infrastructure: Options for organic farming, rainwater harvesting, and solar power integration.
- Potential for custom-built villas or eco-friendly retreats

Investment Potential:

- High demand for farmhouse plots in Rajasthan's fast-growing periphery near Delhi-NCR.
- Affordable pricing compared to urban real estate, with 500 sq. yd. plots available

GOLDEN HILLS FARM HOUSE MAP



Project Key Highlights

Golden Hills is a super cool place where you can be peaceful and close to nature, but it's also easy to get to. It's not far from Delhi, so you can quickly leave the noisy city and chill out in your own special spot. You can also visit the old Neemrana Fort and see pretty waterfalls nearby!

- 140km from Delhi
- 35km to Neemrana
- Natural Waterfalls

[illegible][illegible]



पात्रिका

#blueprint

बाईस साल के लिए बनेगा मास्टर प्लान

नेशनल प्लानर बनाएंगे जयपुर का मास्टर प्लान, इकोनोमिक ग्रोथ संग डवलपमेंट का होगा ब्लू प्रिंट



पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राजधानी का नया मास्टर प्लान (डवलपमेंट का ब्लू प्रिंट) लोकल की कवाय नेशनल व इंटर्नेशनल टाउन प्लानर तैयार करेंगे। सेन्सुस, जलसु, पुरी की तर्ज पर यहां भी काम होगा। सरकार ने टाउन प्लानिंग शाखा को अत्याधुनिक तकनीक से मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद देश के ख्यात टाउन प्लानर्स को भी शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। शहर का सबसे मास्टर प्लान 22 साल के लिए बनेगा। देश की आकृति के साथ पूरे होने के कारण मास्टर प्लान 2047 के लिए होगा, जबकि पहले यह 25 साल के लिए बने का प्लान था। नैशनल प्लान वर्ष 2025 तक प्रभावी है।

नया मास्टर प्लान बनाने की प्रक्रिया शुरू, टाउन प्लानर्स को लगे साथ



अभी यह है स्थिति

■ अभी मास्टर प्लान का शेड्यूल **2940** वर्ग किलोमीटर है। इसमें **725** गांव शामिल हैं।

■ इसमें से करीब **1 हजार वर्ग किलोमीटर** एरिया को करीब-करीब खाली पड़ने है। शहर का विस्तार आसानी से यहां किया जा सकेगा।

■ **11 सेक्टर** टाउन और **4 ग्रोथ सेंटर** हैं, जो अब तक विकसित नहीं किए गए।

■ **सड़क** क्षेत्र के साथ-साथ कुटुम्बाय एरिया भी बढ़े, क्योंकि ग्रामीणों की किसी को बिल नहीं

वर्टिकल डवलपमेंट के साथ टोपोग्राफी से जोड़ने पर फोकस

सकल ने शहर के विकास के लिए विजन 2047 के तहत प्लानिंग की जरूरत मानी है। इसके तहत शहर के वर्टिकल विकास के साथ-साथ उसे रोजगार से जोड़ने पर भी फोकस होगा। जल प्रकृति को इकोनोमिक ग्रोथ प्लान से जोड़ा जाएगा। शहरों में ज्यादा से ज्यादा निवेशकों के लिए घराल तैयार है। इसके लिए देशभर के प्रमुख विषय विशेषज्ञों की भी राय ली जाएगी।

अब तक तीन मास्टर प्लान

पहला वर्ष 1971 से 1991 तक प्रभावी रहा। इसमें 1998 तक बढ़ाया गया। इसमें 391 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए थे।

दूसरा वर्ष 1998 से 2011 तक प्रभावी रहा। इसमें 1999 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए।

तीसरा वर्ष 2011 से 2025 तक के लिए। 2940 वर्ग किलोमीटर शेड्यूल है। इसमें 725 गांव शामिल हैं।

एनएसई से समझे केले टाउन शहर का मास्टर प्लान



वर्टिकल डवलपमेंट के साथ टोपोग्राफी से जोड़ने पर फोकस

सकल ने शहर के विकास के लिए विजन 2047 के तहत प्लानिंग की जरूरत मानी है। इसके तहत शहर के वर्टिकल विकास के साथ-साथ उसे रोजगार से जोड़ने पर भी फोकस होगा। जल प्रकृति को इकोनोमिक ग्रोथ प्लान से जोड़ा जाएगा। शहरों में ज्यादा से ज्यादा निवेशकों के लिए घराल तैयार है। इसके लिए देशभर के प्रमुख विषय विशेषज्ञों की भी राय ली जाएगी।

अब तक तीन मास्टर प्लान

पहला वर्ष 1971 से 1991 तक प्रभावी रहा। इसमें 1998 तक बढ़ाया गया। इसमें 391 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए थे।

दूसरा वर्ष 1998 से 2011 तक प्रभावी रहा। इसमें 1999 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए।

तीसरा वर्ष 2011 से 2025 तक के लिए। 2940 वर्ग किलोमीटर शेड्यूल है। इसमें 725 गांव शामिल हैं।

एनएसई से समझे केले टाउन शहर का मास्टर प्लान



वर्टिकल डवलपमेंट के साथ टोपोग्राफी से जोड़ने पर फोकस

सकल ने शहर के विकास के लिए विजन 2047 के तहत प्लानिंग की जरूरत मानी है। इसके तहत शहर के वर्टिकल विकास के साथ-साथ उसे रोजगार से जोड़ने पर भी फोकस होगा। जल प्रकृति को इकोनोमिक ग्रोथ प्लान से जोड़ा जाएगा। शहरों में ज्यादा से ज्यादा निवेशकों के लिए घराल तैयार है। इसके लिए देशभर के प्रमुख विषय विशेषज्ञों की भी राय ली जाएगी।

अब तक तीन मास्टर प्लान

पहला वर्ष 1971 से 1991 तक प्रभावी रहा। इसमें 1998 तक बढ़ाया गया। इसमें 391 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए थे।

दूसरा वर्ष 1998 से 2011 तक प्रभावी रहा। इसमें 1999 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए।

तीसरा वर्ष 2011 से 2025 तक के लिए। 2940 वर्ग किलोमीटर शेड्यूल है। इसमें 725 गांव शामिल हैं।

एनएसई से समझे केले टाउन शहर का मास्टर प्लान



वर्टिकल डवलपमेंट के साथ टोपोग्राफी से जोड़ने पर फोकस

सकल ने शहर के विकास के लिए विजन 2047 के तहत प्लानिंग की जरूरत मानी है। इसके तहत शहर के वर्टिकल विकास के साथ-साथ उसे रोजगार से जोड़ने पर भी फोकस होगा। जल प्रकृति को इकोनोमिक ग्रोथ प्लान से जोड़ा जाएगा। शहरों में ज्यादा से ज्यादा निवेशकों के लिए घराल तैयार है। इसके लिए देशभर के प्रमुख विषय विशेषज्ञों की भी राय ली जाएगी।

अब तक तीन मास्टर प्लान

पहला वर्ष 1971 से 1991 तक प्रभावी रहा। इसमें 1998 तक बढ़ाया गया। इसमें 391 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए थे।

दूसरा वर्ष 1998 से 2011 तक प्रभावी रहा। इसमें 1999 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए।

तीसरा वर्ष 2011 से 2025 तक के लिए। 2940 वर्ग किलोमीटर शेड्यूल है। इसमें 725 गांव शामिल हैं।

एनएसई से समझे केले टाउन शहर का मास्टर प्लान



वर्टिकल डवलपमेंट के साथ टोपोग्राफी से जोड़ने पर फोकस

सकल ने शहर के विकास के लिए विजन 2047 के तहत प्लानिंग की जरूरत मानी है। इसके तहत शहर के वर्टिकल विकास के साथ-साथ उसे रोजगार से जोड़ने पर भी फोकस होगा। जल प्रकृति को इकोनोमिक ग्रोथ प्लान से जोड़ा जाएगा। शहरों में ज्यादा से ज्यादा निवेशकों के लिए घराल तैयार है। इसके लिए देशभर के प्रमुख विषय विशेषज्ञों की भी राय ली जाएगी।

अब तक तीन मास्टर प्लान

पहला वर्ष 1971 से 1991 तक प्रभावी रहा। इसमें 1998 तक बढ़ाया गया। इसमें 391 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए थे।

दूसरा वर्ष 1998 से 2011 तक प्रभावी रहा। इसमें 1999 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए।

तीसरा वर्ष 2011 से 2025 तक के लिए। 2940 वर्ग किलोमीटर शेड्यूल है। इसमें 725 गांव शामिल हैं।

एनएसई से समझे केले टाउन शहर का मास्टर प्लान



वर्टिकल डवलपमेंट के साथ टोपोग्राफी से जो

[illegible]

नीमराणा, शाहजहांपुर, बहरोड़, भिवाड़ी और अलवर में कई हजार इंडस्ट्रीज दिल्ली-अलवर मेट्रो कॉरिडोर बने तो उद्योगपतियों को मिल सकेगा भरपूर लाभ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

औद्योगिक क्षेत्रों में नहीं रेल सेवा

अलवर. दिल्ली से अलवर के बीच प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर जिले में औद्योगिक विकास का नई इयात लिखने में मददगार साबित होगा। क्योंकि शाहजहांपुर, नीमराणा, बहरोड़, भिवाड़ी और अलवर क्षेत्र में कई हजार छोटी-बड़ी इंडस्ट्रीज हैं। मेट्रो कॉरिडोर बनने से उद्योगपतियों की देश की गजनीयों से सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी। श्रमिकों को भी दिल्ली से अलवर के बीच अप-डाउन के लिए बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी। साथ ही उनके आवागमन का समय भी बचेगा।

पुराने अलवर जिले में रीको के 31 औद्योगिक क्षेत्र हैं। इसमें भिवाड़ी, टपुकड़ा, कहरानी, चौपानकी, खुरखेड़ा, नीमराणा, पीलोट, बहरोड़, एएमआईए, पुराना औद्योगिक क्षेत्र इटाराना, खरखेत, राजपुर एवं थानाजेली में प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। जिनमें 4500 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयां

भिवाड़ी, टपुकड़ा, कहरानी, चौपानकी, खुरखेड़ा, नीमराणा, पीलोट, बहरोड़ आदि काफी विकसित औद्योगिक क्षेत्र हैं। यहाँ जापानी जैन, कोरियाई जैन सहित सैकड़ों बड़ी मल्टी नेशनल कम्पनियों के प्लांट लगे हैं, लेकिन ये औद्योगिक क्षेत्र आज तक रेलवे से नहीं जुड़ पाए हैं। इन औद्योगिक क्षेत्रों

संचालित हैं। इनमें कई नामचीन मल्टी नेशनल कम्पनियाँ भी हैं। इन औद्योगिक इकाइयों में तीन लाख से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। एसीआईटी की ओर से प्रस्तावित दिल्ली-एसएनबी-अलवर

में रेलसेवा नहीं होने के कारण उद्योगपतियों को अपने माल को बाहर भेजने के लिए काफी ट्रान्सपोर्टेशन खर्च करना पड़ रहा है। इसी ही उद्योगपति और उनके यहां काम करने वाले कर्मचारियों को भी दिल्ली आने-जाने में काफी समय लग रहा है।

रॉडवॉल्यूम 164 किमी की स्वीकृत सेमी-हाई स्पीड रेल लाइन है, जो दिल्ली-गुरुग्राम-धारूदेड़ा-रेवाड़ी-एसएनबी (शाहजहांपुर-नीमराणा-बहरोड़)-अलवर को आपस में जोड़ेगी। रीजनल रॉड ट्रांजिट सिस्टम लाइन (आरआईएस) अपने पहले चरण में दिल्ली-एसएनबी (106 किमी) को जोड़ेगी। दूसरे चरण में एसएनबी से सोनानाला (35 किमी) तथा तीसरे चरण में एसएनबी से अलवर (58 किमी) को जोड़ने की योजना है। 199 किमी लंबा रॉडवॉल्यूम गलियारा बनने से यहां के उद्योगों को काफी लाभ होगा।

जयपुर से भी होगी दिल्ली की दूरी कम

जयपुर से दिल्ली के बीच की दूरी करीब 308 किलोमीटर है। जिससे तो कतने में करीब साढ़े पांच से छह घंटे का समय लगता है, लेकिन मेट्रो कॉरिडोर बनने के बाद जयपुर से दिल्ली की दूरी भी कम जाएगी। जयपुर से दिल्ली घर से साढ़े घंटे घंटे में पहुंचा जा सकेगा। क्योंकि मेट्रो कॉरिडोर के तहत रॉडवॉल्यूम का एक स्टेशन बहरोड़-जयपुर हाइवे पर पनियाला के समीप सोतालाना में बनेगा। वहीं, एक स्टेशन अलवर में बनेगा। ऐसे में जयपुर से दिल्ली जाने वाले लोग बहरोड़ या अलवर तक किसी भी संसाधन से आ सकेंगे और उसके बाद रॉडवॉल्यूम मेट्रो से दिल्ली पहुंच सकेंगे।

मेट्रो कॉरिडोर: दिल्ली से अलवर तक बनेगा, दो-तीन साल में होगा तैयार

160 किमी की रफ्तार से डेढ़ घंटे में अलवर से दिल्ली पहुंचेगी रैपिड ट्रेन

सुजीत कुमार
patrika.com

अलवर : अलवर से दिल्ली अभि नजदीक होने जा रही है। दिल्ली से अलवर के बीच प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर को लेकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीडी) ने प्रक्रिया तेज कर ली है। अभी दिल्ली से गुरुग्राम तक मेट्रो ट्रेन चलती है। गुरुग्राम से अलवर तक रैपिड ट्रेन चलाने का योजना है। हालांकि मेट्रो कॉरिडोर बनने में अभी ये दो तीन साल का समय लगेंगे। लेकिन कॉरिडोर बनने के बाद अलवर से दिल्ली तक 160 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से रैपिड ट्रेन दौड़ेगी जो डेढ़ घंटे से दिल्ली की दूरी नाप लेगी। साथ ही दिल्ली से राज्यपाल के औद्योगिक संवेध और ज्यादा सड़कों होंगे। गुरुग्राम साइबर सिटी में होरो होना एक एह साइबर हाब के समाने मेट्रो कॉरिडोर से जुड़ा। इससे मानसर से लेकर अलवर तक की ओर से आने वाले लोग भी साइबर सिटी पहुंच सकेगें।

राजस्थान-हरियाणा सरकार की मंजूरी

दिल्ली-परन्तली खंड के लिए डीपीआर को दिनांक 2018 में एनसीआरटीडी के वकील परचौरा 2019 में हरियाणा सरकार और जून 2019 में राजस्थान सरकार की ओर से निर्माण के लिए मंजूरी दी जा चुकी है।

अलवर से दिल्ली यह रहेगा रूट

नई दिल्ली

- सारया काले खा
- मुनीरका
- राजनी चौक
- धारकुहेडा ज़िपो
- रेवाड़ी
- बारन
- एसएनली
- तिरसे धरण में डीपी निर्माण
- तेरवाल
- अलवर

जयपुर से दिल्ली जाने वाली यात्री अपने निजी साधन को अलवर में चार्क कर देन से दिल्ली आ-जा सकेंगे। इसी तरह जयपुर या अन्य शहरों के व्यापारी भी दिल्ली जाकर सामान की खरीद कर सकेंगे।

तीन चरणों में होगा विकास...

दिल्ली-परन्तली-अलवर

रैपिडएक्स 164 किमी की स्वीकृत सेमी-हाई रैपिड रेल लाइन है। जो दिल्ली-गुरुग्राम-थारुकहेडा-रेवाड़ी-एसएनली (शाहजहाँपुर-नीमराना-बाहरोड़)-अलवर को बांधने में जुड़ेगी।

एनसीआरटीडी इसे तीन चरणों में विकसित करेगी। रोजनार रैपिड ट्रॉजिट सिस्टम लाइन (आरआरटीएस) अपने पहले चरण में दिल्ली -परन्तली (106 किमी) को जोड़ेगी। इसके बाद दूसरे चरण में परन्तली से सोतनाला (35 किमी) और अंत में तीरसे धरण में एसएनली से अलवर (58 किमी) को जोड़ने की योजना है। यह पूरी 199 किमी लंबी गलिबारा लाइन होगी। परियोजना की अनुमानित लागत 37,00 करोड़ रुपये है।

डीपीआर का इंतजार

दिल्ली-अलवर मेट्रो कॉरिडोर की डीपीआर (विस्तृत प्रयोजना रिपोर्ट) फिलाहाल भारत सरकार के पास विचारताहीन है। यहां से डीपीआर मंजूर होने के बाद एसएनली शुरू कर देगा।

पुनीत वरुण, सीओआर, दिल्ली-परन्तली-अलवर

PROPOSED LAYOUT PLAN OF
GOLDEN HILLS
 AT VILLAGE :- BANETHI, TEH.-KOTPUTLI, DIST.-KOTPUTLI-BEHROR



Site View



AMENITIES



YOGA CENTER



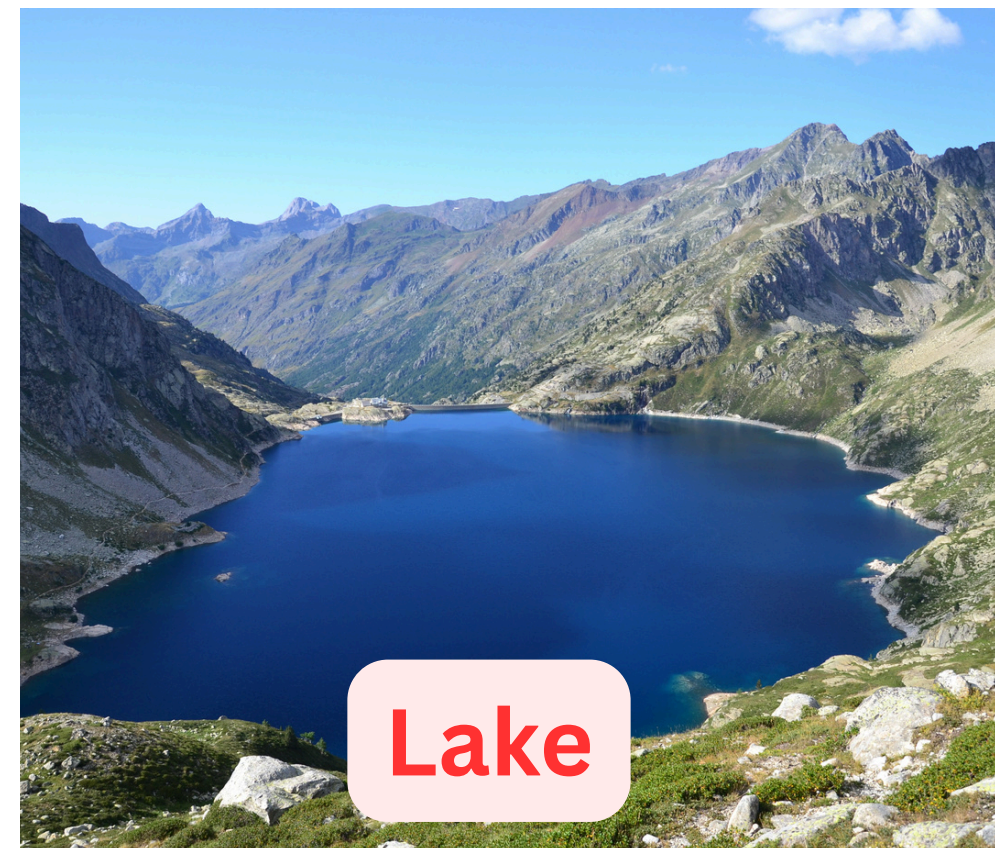
GYM



Mountain View



Swimming Pool



Lake



Garden



Oasis Green

our Delivered Projects



AG Holiday Home



Payment PLAN

At Golden Hills, we offer flexible payment plans to make your dream farmhouse plot a reality. Choose the plan that best suits your financial needs and embark on your journey to owning a piece of paradise in the Aravalli foothills. Each plan is designed for your convenience and offers attractive savings.

Plan A (1 Month)

Effective Price: 4,941/sq.yd

500 sq.yd: 24.7L

- **10% Booking: 2.47L**
- **90% in 30 days**

SAVE 2.74L

Plan A (3 Month)

Effective Price: 5,490/sq.yd

500 sq.yd: 24.7L

- **10% Booking: 2.47L**
- **90% in 30 days**
- **Registry at 50%**

Plan A (6 Month)

Effective Price: 5,490/sq.yd

500 sq.yd: 24.7L

- **10% Booking: 2.47L**
- **90% in 30 days**
- **50% at 6 months**

contact us



AG INFRATECH
KEY TO YOUR HOMES



+91-9810675132,
+91-96437 25718



www.aginfratech.in



Info@aginfratech.in,
infoashugroup@gmail.com



Head Office:

Office no, 10, Sector 12 Rd,
Near Singha chowk, Sector 12,
Gurugram, Haryana 122001

Site Office:

Village Banethi,
Near Paniayala Mod,
Rajasthan-303105